अत्यंत गोपनीय केवल आंतरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

कक्षा - बारहवीं

विषय कोड संख्या -523

सामान्य निर्देश :-

1. परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी त्रुटि भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है, जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को पढ़ और समझ लें।
2. योग्यता आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय कृपया दिए गए उत्तरों को समझे, भले ही उत्तर मार्किंग स्कीम में न हो, छात्रों को उनकी योग्यता के आधार पर अंक दिए जाने चाहिए।
3. अंक योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए मान बिंदु होते हैं। ये केवल दिशा-निर्देशों की प्रकृति के हैं और पूर्ण नहीं हैं। यदि परीक्षार्थियों की अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार नियत अंक दिए जाने चाहिए।
4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का चिह्न (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (×) मूल्यांकनकर्ता द्वारा ये चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है, परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए।
5. यदि किसी प्रश्न के उपभाग हो तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दायी ओर अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग बायाँ और के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।
6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए।
7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हो, उन्हें ही स्वीकार करे, उन्हीं पर अंक है।
8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर हर बार अंक न काटे जाएँ।
9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में पूर्ण अंक पैमाना 0-80 (उदाहरण 0-80 अंक जैसा कि प्रश्न में दिया गया है) का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।
10. ये सुनिश्चित करें कि उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण के अंकों के साथ मिलान हो।

Downloaded from cclchapter.com

11. आवरण पृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का योग जाँच लें ।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन समिति के सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। परीक्षक सुनिश्चित करें कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है। आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

उपर्युक्त मूल्यांकन निर्देश उत्तर-पुस्तिकाओं की जाँच हेतु आदेश नहीं अपितु केवल निर्देश हैं। यदि इन मूल्यांकन निर्देशों में किसी प्रकार की त्रुटि हो, किसी प्रश्न का उत्तर स्पष्ट न हो, अंक योजना में दिए गए उत्तर से अतिरिक्त कोई और भी उत्तर सही हो, तो परीक्षक अपने विवेकानुसार उस प्रश्न का मूल्यांकन करे।

अंक-योजना

विषय हिंदी (ऐच्छिक)

विषय कोड संख्या -523

कक्षा : बारहवीं | अधिकतम अंक 80

सामान्य निर्देश :-

1. अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकनको अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।
2. वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं है बल्कि ये सुझावात्मक एवम् सांकेतिक हैं।
3. यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न , किन्तु उपयुक्त उत्तर है, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।
4. मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं बल्कि अंक योजना में दिए गए निर्देशानुसार ही किया जाए।

प्रश्न संख्या	प्रश्न उपभाग	उत्तर संकेत/ मुख्य बिंदु
1		
	1	(ग) बसंत पंचमी, होली, बैसाखी
	2	(क) झूलों का
	3	(घ) वातावरण में निर्मलता का संदेश
	4	(ग) बैसाखी
	5	(ख) लोहड़ी एवं पोंगल

Downloaded from cclchapter.com

2		
	1 2 3 4 5.	(घ) देवता देवालय में नहीं (ग) देवता देवालय से निकलकर श्रमिकों के बीच जा बैठा है (घ) उपर्युक्त सभी (क) वे परिश्रम करते हैं (ग) पुजारी से
3		
	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10.	(ग) निबंध (संस्मरणात्मक निबंध) (क) रामचंद्र शुक्ल (ख) अपने भाई के साथ (ख) नारी के मन के दुख और करुणा की (क) पतनशील सामंती व्यवस्था (ग) विस्थापन की समस्या (क) सेवाग्राम (घ) शेर का मुंह निर्माण का एकमात्र मार्ग है (घ) अपना उधार वापस लेने के लिए (ख) केबल कार में
4		
	1 2 3 4 5	(ग) प्रधानाचार्य के पुत्र के लिए (ग) पढ़ाई का पुतला कौन सी पुस्तक मांग बैठे (ख) आंखों में (ग) बालक के लड्डू मांगने पर (घ) बालक का बचपन बच गया
5		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**
		क) आधुनिक भारत के नए शरणार्थी उन्हें कहा गया है ।जिनके गांव को आधुनिकता के विकास के नाम पर उजाड़ दिया गया है और बिना कसूर के बेघर हो गए हैं। भारत के प्रगति के लिए खेल कल्याण त्यागना पड़ा है । ख) आंखें बंद करने से काम पहले की अपेक्षा अधिक अच्छा होने लगा उत्पादन बढ़ा ,आंखें खोलने से लोग एक दूसरे को ना देख सके, अभी तो उनके सामने राजा खड़ा था ।राजा को पता लग गया की जनता ने उनके आज्ञा का उल्लंघन किया है और दंड के अधिकारी हो गए। ग) लेखक के पिताजी का तबादला मिर्जापुर में हो गया। वहीं पर भारतेंदु जी के एक मित्र रहते थे। जब लेखक को इस बात का पता चला तो भी उनसे मिलने के लिए उतावले हो रहे थे ।लेखक ने अपने मित्र से उसके घर के बारे में पूछा तो बच्चों ने हां कहा लेखक पीछे-पीछे चला गया डेढ़, 2 मील जाने के बाद पत्थर के मकान के नीचे सब रुक ग,ए नीचे बरामदा खाली था ऊपर लताओं से ढका था ।लेखक को इस तरफ देखने के लिए इशारा किया गया

Downloaded from cclchapter.com

		पहले तो वहां कोई दिखाई नहीं दिया। कुछ देर बाद लड़कों ने ऊपर की ओर इशारा किया लताओं के बीच में लेखक को एक मूर्ति दिखाई दी। उसके दोनों कंधों पर बाल बिखरे हुए थे। उसका एक हाथ खंभे पर टिका हुआ था देखते ही देखते यह मूर्ति अदृश्य हो गई यही पहले झलक थी।
6		
	1 2 3 4 5 6 7 8 9 10	(ग) भारतीय सांस्कृतिक सौंदर्य का (घ) क्षणभंगुरता से (क) धूल का बवंडर उठना है और लोगों के मुंह में धूल भर जाती है (क) सुजन (घ) अधूरी रचना होगी (घ) अनुप्रास (क) माता कौशल्या के लिए (क) खुद को (घ) पीले पत्तों के समान (घ) पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार
7		
		प्रसंग सरोज स्मृति (सूर्यकांत त्रिपाठी निराला) व्याख्या काव्य -सौन्दर्य
8		**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**
		(क) देवसेना की हर उसकी इच्छाओं का पूरा न होना है वह मालवा के राजा वह अपने भाई के देहांत के बाद उसके सपनों को साकार करने के लिए राष्ट्र सेवा का व्रत ले लेते हैं वह स्कंद गुप्त से प्रेम करती थी जबकि वह किसी और से प्रेम करता था अपने जीवन से निराश होकर वह आश्रम में रहते हुए भीख मांगने लगी वह अपने जीवन के अंतिम चरणों में स्कंद गुप्त को पाना चाहते थे वह अपने जीवन के बारे में सोते हुए अपने दर्द भरे सदनों को याद करती है वह अपने यौवन में की गई गलतियों पर पछताते हैं वह कहते हैं मैं अपने जीवन की सारी कमाई गवा दी (ख) कोयल और भंवरों का कलरव सुनकर नायिका बहुत अधिक व्याकुल है। वह अपने कानों पर हाथ रखकर कोयल और भारों की ध्वनि को न सुनने का प्रयास करती है। (ग) कभी जब सुबह 6:00 बजे सड़क के फुटपाथ पर चल रहा है तब उसने प्रकृति में कुछ परिवर्तन महसूस किया उसे किसी बंगले में अशोक के पेड़ पर बैठे चिड़िया के कोकने का मीठा स्वर सुनाई पड़ा सड़क के किनारे खड़े पेड़ों के पत्ते पीले पड़े कर सूख गए हैं। पांव के नीचे आने पर वह चरमर की ध्वनि करने लगे इस प्रकार फुटपाथ पर चलते हुए कभी कोई है। पता चला कि बसंत आ गया है।

Downloaded from cclchapter.com

9		**अंतराल भाग -2 के आधार किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित**

		(क) भैरों को सूरदास का यह करना अपना अपमान लगा। उसी दिन से उसने सूरदास से बदला लेने की ठान ली। वह सूरदास को सबक सिखाना चाहता था। जिस घर के दम पर उसने सुभागी को साथ रखा था, उसने उसी को जला दिया। (ख) सूरदास एक अंधा भिखारी है उसके पास एक छोटी सी झोपड़ी है वह जलती है तो उसका सब कुछ जल जाता है यही उसके जीवन के जमा पूंजी थी झोपड़ी दोबारा बनाई जा सकती थी लेकिन उसमें लगी आग के साथ उसकी सारी अभिलाषाएं जल जाते हैं और उसके जीवन भर की कमाई भी उसी के अंदर जल जाती है **(ग)** लेखक गंध के महत्त्व को स्वीकार करता था लेकिन वह यह भी कहता था कि फूल केवल गंध नही देते थे वह दवा भी करते थे वह भरभंडा नामक फूल का वर्णन करता था इस फूल से निकलने वाला दूध आँखे आने पर दवा का काम करता था। पाठ में वर्णित अन्य तथ्यों को भी शामिल किया जा सकता है। **(घ)** धरती के तापमान में बढोत्तरी का सबसे प्रमुख कारण है – वातावरण को गर्म करने वाली गैसों का अधिक से अधिक उत्सर्जन । कार्बन डाई ऑक्साइड , कार्बन मोनो ऑक्साइड , क्लोरो-फ्लोरो कार्बन आदि गैसे पृथ्वी के तापमान को बढाती है । ये गैसें अमेरिका और यूरूप के विकसित देश सबसे अधिक मात्रा में उत्सर्जित करते हैं जिसके कारण पृथ्वी के तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस की बढा।
10	क	
		। एंकर का घटना स्थल पर उपस्थित रिपोर्ट से फोन के माध्यम से घटित घटनाओं की जानकारी दर्शकों तक पहुंचाना फोन इन कहलाता है ।। जब किसी टेलीविजन चैनल के द्वारा छुपे टेलीविजन कैमरे के जरिए किसी गैर कानूनी अवैध गतिविधि को फिल्माया जाता है ।।। पत्रकार की अपनी भाषा पर पकड़ होनी चाहिए अगर किसी भाषा में अनुवाद करना है तो वह भी उसे आना चाहिए। ।\/पत्रकारिता जिसमें कम्प्यूटर और इंटरनेट के ज़रिये उनकी नेटवर्किंग का उपयोग किया जाता हो
	ख	
		।जिस तरह से हर सिक्के के दो पहलू होते हैं, उसी प्रकार इंटरनेट के भी दो पक्ष हैं। इसके द्वारा अर्थात इंटरनेट पत्रकारिता से हमें सूचनाएँ तत्काल उपलब्ध हो जाती हैं परंतु इसका दूसरा पक्ष उतना उजला नहीं है। इसके अनेक दुष्परिणाम भी हैं, जैसे- यह समाज में अश्लीलता और गंदगी फैलाने का साधन है। इसके कारण युवा अनैतिक कार्यों की ओर आकृष्ट हुए हैं। यह दुष्प्रचार का साधन है। यह अत्यंत महँगा साधन है। ।। फीचर एक सुव्यवस्थित सर्जनात्मक और आत्म लिस्ट लेखन है फीचर का मुख्य उद्देश्य मुख्य रूप से पाठकों को सूचना देना शिक्षित करना तथा उनका मनोरंजन करना होता है समाचार में रिपोर्ट को अपने विचारों को डालने की स्वतंत्रता नहीं होती परंतु फीचर में लेखक को अपनी राय दृष्टिकोण और भावनाओं को जाहिर करने का अवसर होता है समाचार उल्टा पिरामिड शैली में लिखे जाते हैं जबकि फीचर लेखन की कोई सुनिश्चित शैली नहीं होती प्राइस फीचर समाचार रिपोर्ट से बड़े होते हैं पत्र पत्रिकाओं में प्राय 250 से 2000 शब्दों तक के फीचर छपते हैं

Downloaded from cclchapter.com

	ग	सिनेमा और रंगमंच की तरह वीडियो नाटक में भी चरित्र होते हैं उनके आपसी संवाद होते हैं इन्हीं संवादों के माध्यम से कहानी आगे बढ़ती है यह एक श्रव्य साधन होता है। रेडियो नाटक की भाषा सरल सहज होने चाहिए। रेडियो नाटक के कथानक में किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है? स्पष्ट करें। उत्तर: रेडियो नाटक का कथानक संवादों और ध्वनि प्रभावों पर ही निर्भर रहता है। इसलिए कथानक का चुनाव करते समय अग्रलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है- (1) रेडियो नाटक का कथानक केवल एक घटना पर आधारित नहीं होना चाहिए। उदाहरण के रूप में, यदि रेडियो नाटक के कथानक का आधार पुलिस द्वारा डाकुओं का पीछा करना है, तो यह कथानक अधिक देर तक नहीं रहना चाहिए, अन्यथा यह उबाऊ हो जाएगा। इसका मतलब यह है कि रेडियो नाटक के कथानक में अत्यधिक संवाद होने चाहिए तथा एक-से-अधिक घटनाएँ भी होनी चाहिए। (2) सामान्य तौर पर रेडियो नाटक की अवधि 15 से 30 मिनट तक होनी चाहिए। इससे अधिक की अवधि के नाटक को श्रोता सुनना पसंद नहीं करेगा। कारण यह है कि श्रोता की एकाग्रता 15 से 30 मिनट तक ही बनी रहती है। यदि रेडियो नाटक की अवधि लंबी होगी, तो श्रोता की एकाग्रता भंग हो जाएगी और उसका ध्यान भी भटक जाएगा। (3) रेडियो नाटक में पात्रों की संख्या बहुत कम होनी चाहिए। तीन-चार पात्रों का नाटक आदर्श नाटक कहा जा सकता है। यदि रेडियो नाटक में बहुत अधिक पात्र होंगे, तो श्रोताओं को पात्रों को याद रखना कठिन होगा, क्योंकि श्रोता केवल आवाज़ के माध्यम से रेडियो के पात्रों को याद रखता है। **अथवा** **आधुनिक युग में पाठकों की रुचियाँ बहुत व्यापक हो चुकी हैं। वे साहित्य से लेकर विज्ञान तक तथा व्यवसाय से लेकर खेल तक सभी विषयों की ताजा जानकारी चाहते हैं। कुछ ऐसे भी पाठक हैं जो विज्ञान, खेल अथवा सिनेमा में गहरी दिलचस्पी रखते हैं। अतः वे अपने मन-पसंद विषय को विस्तार से पढ़ना चाहते हैं। फलस्वरूप समाचारपत्रों तथा अन्य जनसंचार माध्यमों को सामान्य समाचारों के साथ-साथ कुछ विशेष विषयों के बारे में भी जानकारी देनी पड़ती है, इसी को हम विशेष लेखन कहते हैं।** **एक परिभाषा के अनुसार-"सामान्य लेखन से हटकर किसी खास विषय पर लिखा गया लेख विशेष लेखन कहलाता है।" अधिकांश समाचारपत्रों और पत्रिकाओं के अतिरिक्त टी०वी० तथा रेडियो चैनलों में विशेष लेखन के लिए एक अलग डेस्क रहता है, जहाँ विशेष लेखन से संबंधित पत्रकारों का समूह बैठता है। यही नहीं, विभिन्न जनसंचार के माध्यम के कार्यालयों में अलग-अलग डेस्क बने रहते हैं, जहाँ अलग-अलग विभागों के उपसंपादक तथा संवाददाता बैठकर काम करते हैं।** **यह एक सर्वविदित तथ्य है कि समाचार अनेक प्रकार के होते हैं। ये राजनीतिक, आर्थिक, अपराध, खेल जगत, फिल्म जगत, न या किसी और विषयों से संबंधित होते हैं। संवाददाताओं के मध्य उनकी रुचि और ज्ञान को देखते हए कार्य का बंटवारा किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं। उदाहरण के रूप में एक संवाददाता की बीट खेल जगत है तो इसका मतलब यह है कि वह अपने शहर तथा क्षेत्र में होने वाले खेलों तथा उनसे संबंधित घटनाओं की रिपोर्टिंग करेगा। अखबार की ओर से वही खेल रिपोर्टिंग के लिए जिम्मेवार होगा और जवाबदेही होगा।**	5

Downloaded from cclchapter.com

		इसी प्रकार यदि कोई संवाददाता आर्थिक या कारोबार से जुड़ी खबरों की जानकारी रखता है तो उसे आर्थिक रिपोर्टिंग का काम सौंपा जाएगा। यदि किसी की रुचि कृषि में है और वह पूरी जानकारी रखता है, तो वह कृषि जगत से संबंधित रिपोर्टिंग का काम करेगा। इसके लिए आवश्यक यह है कि विशेष लेखन से संबंधित संवाददाता को अपने विषय के बारे में समुचित जानकारी होनी चाहिए और उसे अपनी भाषा-शैली पर समुचित अधिकार होना चाहिए। समाचारपत्र का संपादक ही अपने संवाददाताओं की रुचियों और जानकारियों के हिसाब से बीट का वितरण करता है, जिससे सही व्यक्ति सही विषय के बारे में सही-सही जानकारी देने में समर्थ होता है।	
11			2
		क) सन 1965 में युद्ध की तैयारी में लगे हुए पाकिस्तान ने अमेरिका से पैटन टैंक लिए उसे इस बात का घमंड था कि अमेरिकी पैटन टंक का कोई मुकाबला नहीं कर सकता शायद उन्हें मालूम नहीं था कि भारतीय सैनिकों के फौलादी से ने अद्वितीय क्षमता रखते हैं जिस किसी भी टैंक से टकराने की हिम्मत है और 1965 में भारत ने यह बात सिद्ध भी की	2 2
		ख) 8 अप्रैल 1929 को असेंबली में बम विस्फोट में भगत सिंह बटुकेश्वर दत्त ने धमाका किया	2
		ग) वीर सावरकर महादेव वापस वीरेंद्र नाथ चट्टोपाध्याय हरनाम सिंह अरोड़ा वीएस	2 2

Downloaded from cclchapter.com

	नायर गोविंद अमीन तथा गंडुरंग आदि क्रांतिकारियों से हुई। घ) भाग्य के भरोसे रहने वाली यद्भविष्य मछली जल में फंस गई और अपने आप को छुड़ाने के लिए उछल कूद मचाने लगी लेकिन मार दी गई ङ) प्रलय हो जाने के बाद फिर जब सृष्टि का निर्माण होना होगा, तब उसी मूल प्रकृति से फिर से सृष्टि की उत्पत्ति होती है। इस प्रकार यह सिलसिला अनंतकाल तक चलता ही रहता है। जैसे बीज में पूरा पेड़ छिपा होता है, ऐसे ही मूल प्रकृति में पूरा यूनिवर्स समाया होता है। यह मूल प्रकृति और कुछ नहीं बल्कि परमात्मा की ही शक्ति है। .	

Downloaded from cclchapter.com

Downloaded from cclchapter.com